

7717

पञ्चावली बोर्ड के मध्य शैक्षणिक  
 कर पेश। प्रतिवादी सं० 7, 6 उपरोक्त  
 वाद पत्र के अन्तर्गत पुनः पुनः है कि  
 वादीगण एवं उसके भाई नानु पिता  
 गण्डगुल 2 एवं प्रतिवादीगण अरुण  
 0 मि 12 तृतीय के अंतर्गत शिवालय  
 एवं आधिपत्य एवं वाक्ये वास्तु  
 वाकि सुमि ग्राम नारायणपुर 5000  
 विद्यापीठ के सं० 7, 175, 789,  
 791, 174, 42, 180, 181, 182, 183, 185,  
 186, 187, 188, 189, 192, 193, 194, 195,  
 225, 235, 240, 461, 475, 476, 477, 478  
 233, 766, 767, विस्तृत है।

अपलाल ①

नारायणपाल

अमरचंद्र ②

वादीगण का भाई नानु है जो  
 अविवाहित होकर पिछले करीब  
 22 वर्षों कहीं चला गया जिसका कोई  
 पता नहीं है तथा उसके  
 वादीगण ही अगे भाई ही सब मान  
 विधिवत् वारिसान है नाच की सुमि  
 हिस्से की पर वारिस करतें वने  
 आ रहे हैं नानु पिता कतापे वाई  
 चले गए हैं उसे 22 वर्षों से घर पर  
 नहीं आये हैं न ही उनकी कोई जाग  
 बारी मिली है नानु की वे हिस्से  
 की सुमि के प्रतिवादीगण हस्त  
 प्राप्त हैं और नाच का वारिसा वारिस  
 हैं नाच की वादीगण अगे भाई

होकर हम उसके हिस्से की सामंती  
जायेगा है। अतः नानु का शरण से  
जापता होने से उक्त विवादित आराज्यात  
के राजस्व रेकार्ड की इन्फार्मेशन  
केर वादीगण के भाई ज्ञानु का नाम राजस्व  
रेकार्ड से विलोपित किया जा कर नानु के  
हिस्से की आराज्यात का वादीगण  
को स्वातंत्र्य का रतवार दत्त विधा  
जावे।

पञ्जावली के साथ प्रस्तुत वाद में  
पैसे को इन्फार्मेशन केरा नहीं किया वे  
नानु शरण से जापता है,  
आदेश

वादीगण का वाद फा सिद्ध नहीं  
होने से स्वातंत्र्य विधा जाता है।

आज्ञापित 7.7.2017 को विधि  
कोर्ट के साथ शरण वाद पर अरे आम  
मुत्ताप गण।

पञ्जावली के राजस्व शमार हो कर  
गाम्बर से काम है।

उपखण्ड अधिकारी एवं  
पदेन सहायक कलक्टर, हमीरगढ़

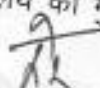
- 1- श्री श्रीजाल 50 गन्दा गुर्जर निवामी नायाडिपस
- 2- श्री श्रीजाल 50
- 1- श्रीमति राम पुत्री गन्दा गुर्जर पत्नी
- 2 " " मांग पुत्री गन्दा गुर्जर पत्नी
- 3 " " नामजाल 50 मांग गुर्जर निवामी
- 4 " " शंति पुत्री मांग गुर्जर 50 रामचन्द्र गुर्जर
- 5 " " सुशीला पुत्री मांग गुर्जर 50 धरणा
- 6 " " अमचंद 50 मांग गुर्जर
- 7 " " उदा 50 मांग गुर्जर
- 8 " " उदा 50 सुनी कृष्ण गन्दा गुर्जर निवामी
- 9 " " सुनी 50 गन्दा गुर्जर
- 10 " " श्रीमति देवी 50 देवीजाल गुर्जर

दावा बाबत- 88, 89, व 188 श. 1977 अधि-  
 मुकदमा नम्बर :- 223114  
 निर्णय दिनांक :- 7.7.17

वादी की ओर से ..... की व प्रतिवादी की ओर से 67 ..... उपस्थिति में इस वाद में आज तारीख 7.7.17 को (नाम पीठासीन अधिकारी श्रीमती रेणु मीना) के समक्ष अन्तिम निपटारे के लिए पेश होने पर, आदेश किया जाता है और डिक्री दी जाती है कि:-

वादीगण का वाद पत्र सिद्ध नहीं होने से वाद श्लारीज विभा जाता है।

खर्चा फरीकेन अपना-अपना वहन करेंगे।  
 यह आज तारीख 07.07.17 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।

  
 उपखण्ड अधिकारी एवं